समृद्ध मध्यप्रदेश को गढ़ने का अभियान

❐ संजय जैन

प्रदेश में "आओ बनायें अपना मध्यप्रदेश" अभियान को प्रदेशवासियों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इस अभियान को दिलों में बसाने की मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की अपील का असर लोगों पर नजर आता है, जब वे दोनों हाथ उठाकर अपने मुख्यमंत्री के साथ नया और समृद्ध मध्यप्रदेश गढ़ने का संकल्प लेते हैं। जब मुख्यमंत्री ग्रामीणों से कहते हैं पेड़ लगाओ, बच्चों को स्कूल भेजो, अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से निभाओ तो वे एक जननायक की तरह लोगों को अपने साथ कर लेते हैं।

हाल ही में मुख्यमंत्री श्री चौहान की इंदौर जिले की यात्रा में कई बार इस तरह के दृश्य देखने को मिले जब लोग मुख्यमंत्री के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर दिखे। मुख्यमंत्री की बिना लाग-लपेट की बातें सीधे लोगों के दिलों को छू रही थीं। उन्होंने इस यात्रा के दौरान हरियाली महोत्सव के तहत पौधे लगाये, स्कूल चलें हम अभियान में बच्चों को स्कूल भेजने के लिये लोगों को प्रेरित किया और लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बच्चियों को बचत-पत्र भी दिये।

एक साल में साढ़े छह करोड़ पेड़ लगाने का अभियान

इंदौर के समीप माचल पहाड़ी पर हरियाली महोत्सव के तहत 350 हैक्टेयर में डेढ़ लाख पौधे लगाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने यहाँ रूद्राक्ष का पौधा लगाकर शुरुआत की। उन्होंने यहाँ भारी तादाद में मौजूद ग्रामीणों से कहा कि हरियाली महोत्सव तथा स्कूल चलें हम अभियान रस्मी न बने बल्कि इन्हें दिल में बसा लें। जहां जगह मिले पेड़ लगायें तथा बच्चों को स्कूल भेजें। उन्होंने ग्रामीणों को आओ बनाएँ मध्यप्रदेश के तहत संकल्प दिलाये, जिसमें जो जहां है वहां अपने कर्त्तव्य का पालन ईमानदारी से करे, बच्चों को स्कूल भेजे, पेड़ लगाये, अपने गांव को स्वच्छ रखे, ऊर्जा की बचत करे, शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य मध्यप्रदेश को विकसित और समृद्ध बनाना है, इसका रोडमैप तय कर लिया है। इसके सड़क, बिजली और पानी पहली शर्त है। प्रदेश में अच्छी सड़कें तेजी से बन रही हैं। आने वाले साढ़े तीन साल में पाँच हजार मेगावाट बिजली बनेगी। गाँव और खेत के फीडर अलग-अलग होंगे, जिससे गाँवों में 24 घंटे बिजली मिलेगी। कई बड़े बांध जल्दी ही पूरे होंगे। खेती को फायदे का धंधा बनाने के लिये कृषि ऋण पर तीन प्रतिशत ब्याज कर दिया गया है। अब किसानों को कृषि उपकरणों पर मिलने वाला अनुदान सीधे उनके खाते में जमा होगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने इंदौर जिले की माचल पहाड़ी पर रुद्राक्ष का पौधा रौपकर हरियाली महोत्सव का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसंख्या को नियंत्रित करने पर भी ध्यान दें। इस बारे में केरल का उदाहरण हमारे सामने है। पर्यावरण के प्रति उदासीनता से पैदा हुए संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। यदि मानवता को बचाना है तो हर साल एक व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाये, इससे मध्यप्रदेश में एक साल में साढ़े छह करोड़ पेड़ लग जायेंगे। उन्होंने माचल की पहाड़ी का नाम पूर्व मंत्री स्व.श्री निर्भय सिंह पटेल के नाम पर करने की घोषणा की।

कोई बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले के माचल ग्राम में स्कूल चलो अभियान के तहत प्रदेशवासियों का आव्हान किया कि सभी अपने बच्चों को स्कूल भेजें ही साथ ही देखें कि

आस-पड़ोस, मोहल्ले में कोई बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रह जाए। बच्चों को पठन-पाठन की सुविधायें देना सरकार का कार्य है। मध्यप्रदेश सरकार इसमें पीछे नहीं हटेगी। कक्षा पहली से 12 तक के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क किताबें दी जायेंगी। बेटियों को गणवेश के साथ दूसरे ग्रामों में जाकर पढ़ने वाली बेटियों को साइकिल दी जा रही है।

श्री चौहान ने कार्यक्रम में उत्साह सराबोर बच्चों को खूब पढ़ने के साथ गुरुजनों तथा बड़ों का सम्मान करने की सीख दी। उन्होंने पढ़ाई का महत्व बताते हुए कहा कि अगर पढ़-लिख गये तो दुनिया की कोई चीज कठिन नहीं है। गाँव का बच्चा मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक बन सकता है। वैज्ञानिक, वकील, कलेक्टर, डॉक्टर बन सकता है। आगे बढ़ने की पहली शर्त पढ़ाई है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने खुद प्रारम्भिक शिक्षा गाँव के स्कूल में प्राप्त की है। श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की योजना है। इस सिलसिले में दसवीं-बारहवीं कक्षा के बाद से वोकेशनल ट्रेनिंग कोर्स शुरू किये जा रहे हैं। ग्रामीणों ने इस अवसर पर कहाँ चलें हम-स्कूल चलें हम के नारों से पूरे माहौल को उत्सवी बना दिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने इंदौर में लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत राष्ट्रीय बचत पत्र वितरित किए

प्रदेश में सवा पाँच लाख लाड़ली लक्ष्मी बनीं। समारोह में लाड़ली लक्ष्मियों को बचत-पत्र प्रदान करने के बाद मुख्यमंत्री ने बेटियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि उनका जीवन सुख-समृद्धि, रिद्धी-सिद्धी से परिपूर्ण रहे। प्रदेश की बेटियों के जीवन में सारी खुशियाँ आयें। प्रदेश शासन ने बेटी के पैदा होने से लेकर जीवन के अंत तक की योजनाएँ क्रियान्वित की हैं। इसी का परिणाम है कि अब मध्यप्रदेश में 80 प्रतिशत प्रसूति अस्पतालों में होने लगी है। जहाँ पहले जन्म दर में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में कम होती थी वहीं अब लड़कियों की जन्म दर में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री ने समारोह में बांटे जा रहे 721 राष्ट्रीय बचत-पत्रों में से कुछ बचत-पत्रों का वितरण कर इस समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती रंजना बघेल ने बताया कि प्रदेश में पाँच लाख 22 हजार कन्यायें लाड़ली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। इंदौर जिले में इनकी संख्या 20 हजार है। इनमें से 8 हजार ग्रामीण तथा 12 हजार इंदौर शहरी क्षेत्र में हैं। समारोह में बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने इंदौर में पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ की स्मृति में हिन्द रक्षक संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में निर्धन शालेय छात्र-छात्राओं के लिए अभ्यास पुस्तिका वितरण भी किया। कार्यक्रम में हिन्द रक्षक संगठन के संयोजक श्री एकलव्य गौड़ ने संगठन के गठन से लेकर अब तक की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि पुण्योदय प्रकल्प द्वारा वर्ष-2004 से अब तक लगभग 12 लाख से अधिक अभ्यास पुस्तिकायें छात्र-छात्राओं को वितरित की जा चुकी हैं।

(लेखक सहायक संचालक जनसम्पर्क, इंदौर हैं।)

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान निर्धन शालेय छात्र-छात्राओं को अभ्यास पुस्तिकाएँ वितरित करते हुए